नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.....

दिनांक : 23.08.2022

## प्रकाशनार्थ

पर्यावरण का संतुलन पृथ्वी के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त है। आज सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय संकट से जूझ रहा है। पर्यावरण के पंचमहाभूत प्रदूषित होते जा रहे हैं। मानव के अंधाधुध भौतिक विकास एवं असंतुलित रूप से प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण आज पर्यावरण के सभी घटक असंतुलित हो चुके हैं। वायु और जल के प्रदूषण के साथ ही घातक कृषि रसायनों के बड़े पैमाने पर उपयोग के कारण भू–गर्भ जल भी प्रदूषित हो चुका है। धरती पर मनुष्यों की आबादी निरन्तर तेजी से बढ़ती जा रही है, जबकि प्राकृतिक संसाधन निरंतर कम होते जा रहे हैं। यदि स्थिति यही रही तो तृतीय विश्व युद्ध जल जैसे प्राकृतिक संसाधन हेतु हो सकता है।

उक्त बातें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष **प्रो. दिनेश कुमार सिंह** ने **आजादी का अमृत महोत्सव** के अन्तर्गत महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला** के दूसरे दिन **'वैश्विक पर्यावरणीय बदलाव : 21वीं सदी की सर्वोच्च चुनौती'** विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि जिस प्रकार शरीर में पंचमहाभूतों में असंतुलन होने से व्याधि उत्पन्न हो जाती है, उसी प्रकार पर्यावरण में पांचो तत्वों में विकार से पर्यावरण प्रदूषण उत्पन्न होता है। जिस प्रकार मनुष्य के शरीर में व्याधि का कारण यम और नियम का पालन न करना है, उसी प्रकार पर्यावरण से सम्बन्धित प्राकृतिक नियमों एवं व्यवस्था को न मान कर जब मनुष्य उसमें अवांछित परिवर्तन करता है, तो पर्यावरण में नकारात्मक परिवर्तन आ जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जल की वर्तमान स्थिति सामान्य है, किन्तु जनसंख्या वृद्धि से जल की मांग में तेजी वृद्धि हुई है। 2025 तक गोरखपुर क्षेत्र में जल की कमी होने की सम्भावना व्यक्त की गई। प्रो. सिंह ने विभिन्न उदाहरणों और चित्रों के माध्यम से एवं नासा के द्वारा ली गई ध्रुवों की तस्वीरों में 1969 से 2016 तक के हिमनदों के पिघलने की दर को **प्रोजेक्टर के माध्यम** से विद्यार्थियों को दिखाया। साथ ही सबसे एक वृक्ष लगाने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि विश्व के सभी व्यक्ति एक वृक्ष लगायें तो वर्तमान जनसंख्या के हिसाब से 7 अरब वृक्ष लग जायेंगे, जो कार्बन कैप्चर, जल संचयन, ऑक्सीजन तथा ग्लोबल वार्मिंग समेत विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं में समाधान के रूप में सबसे उपयुक्त विकल्प सिद्ध होगा।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

# महाराणा प्रताप महाविद्यालय
## जंगल धूसड़, गोरखपुर

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

कार्यक्रम का संयोजन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष **डॉ. सुबोध कुमार मिश्र**, संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य **श्री विनय कुमार सिंह** एवं आभार ज्ञापन उप प्राचार्य **डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

**(डॉ. सुधा शुक्ल)**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी